ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र (TECC)

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

हाल ही में चीन ने मुंबई में ताइवान सरकार द्वारा [ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र (TECC)] की स्थापना पर **अपना विरोध जताया है। यह भारत में ताइवान का तीसरा कार्यालय है, इससे पहले नई दिल्ली (1995) और चेन्नई (2012)** में भी कार्यालय खोले गए थे।

TECC:

- वर्ष 1993 में भारत और ताइवान ने प्रतिनिधि कार्यालय स्थापित किये: **ताइपे में भारत-ताइपे एसोसिएशन और नई दिल्ली में TECC।**
- **अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और रूस** जैसे अन्य देश भी वीज़ा सेवाओं और सांस्कृतिक-आर्थिक आदान-प्रदान का समर्थन करने के लिये ऐसे केंद्र बनाए रखते हैं।

TECC पर चीन का रुख:

- **चीन का आधिकारिक रुख** यह है कि [केवल एक ही चीन है], **जिसमें ताइवान** एक अविभाज्य अंग है, तथा **पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (PRC)** एकमात्र वैध सरकार है।
- **भारत ने वर्ष 1950 में PRC को मान्यता दी थी,** जिससे वह ऐसा करने वाले सबसे पहले देशों में से एक बन गया, तथा वह **आधिकारिक तौर पर ताइवान को मान्यता नहीं देता है।**

भारत-ताइवान संबंध:

- स्वतंत्रता के बाद, भारत ने ताइवान या चीन गणराज्य को औपचारिक रूप से मान्यता नहीं दी, तथा ताइवान के साथ उसके राजनयिक संबंध भी नहीं थे। हालाँकि, वर्ष **1995 में, भारत और ताइवान ने अनौपचारिक संबंध स्थापित किये,** प्रतिनिधि कार्यालय स्थापित किये।
- पिछले कुछ वर्षों में ताइवान के प्रति भारत का दृष्टिकोण काफी बदल गया है तथा संबंधों में भी काफी प्रगति हुई है।
  - 2000 के दशक में भारत के आर्थिक उत्थान और बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय छवि ने ताइवान के भारत के साथ संबंध को सुगम बनाया।
  - ताइवान के विदेश मंत्रालय की वर्ष 2023 की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि **भारत-ताइवान व्यापार वर्ष 2006 में 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2021 में 8.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।**
  - एक प्रमुख **प्रौद्योगिकी केंद्र और शीर्ष** [सेमीकंडक्टर] **उत्पादक** के रूप में, ताइवान भारत के साथ मज़बूत संबंधों में रुचि रखता है, तथा इसकी वर्ष **2016 की** ["न्यू साउथबाउंड पॉलिसी"] का लक्ष्य **एकल बाज़ारों, विशेष रूप से चीन पर निर्भरता को कम** करना है।

//

अधकि पढ़ें: [चीन-ताइवान संघर्ष]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/taipei-economic-and-cultural-centre-tecc-